भारतीय दर्शन

भारतीय संस्कृति के विभिन्न दर्शनों पर एक समीक्षात्मक पुस्तक

आलेख एवं संकलन

सुरेश चौधरी

शुक्तिका प्रकाशन

भारतीय दर्शन

आईएसबीएन : 978-93-94660-09-0

ए एंड ए इन्टरप्राईजेज
पी 516/4 बी.एल. साहा रोड
ग्राउन्ड फ्लोर, कोलकाता-700038
मो : 94324-19815
ईमेल : enterprisesaa2019@gmail.com

©सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण : 2019

द्वितीय संस्करण : 2023

लेखक : सुरेश चौधरी 'इंदु'

मूल्य : 300/-

मुद्रक : मिश्का इन्फोटेक, कोलकाता

BHARATIY DARSHAN A BOOK BY SURESH CHOUDHARY 'INDU' IN HINDI FOR INDIAN PHIILOSHOPHY

समर्पण

पूजनीय माताजी

स्व. श्रीमती दुर्गावती जी चौधरी

को

भावपूर्ण समर्पित

स्व-कथ्य (प्रथम संस्करण)

वैदिक सनातन धर्म की शृंखला जब लिखना या कहें खोज करना प्रारंभ किया तब यह नहीं सोचा था कि इस महान दर्शन में जितना अंदर जाऊँगा उतना ही डूबता चला जाऊँगा, अथाह सागर की भांति मुझे कोई छोर नहीं दृष्टिगत है। प्रारंभ धर्म की परिभाषा से किया तब सोचा था कि 200-300 पन्नों में यह सिमट जाएगी, परंतु यह तो द्रौपदी के चीर की तरह बढ़ती ही जा रही है, कितना खोजूं, मनुस्मृति को देखा प्रक्षिप्त श्लोकों से ग्रसित यह ग्रंथ आज क्यूँ आलोचना का कारण बना। वेदों को पढ़ना आरंभ किया तो अंत ही नहीं मिल रहा, केवल वेदों के परिचय में ही एक पुस्तक निकल गयी। सृष्टि की रचना नासदीय सूक्त गॉड पार्टिकल में उलझ कर रह गया। सच कहूँ तो भारतीय सनातन धर्म और उसके ग्रंथ अतुलनीय हैं, जितना पढ़ो लगता है अभी तो छू भर सके हैं, जानना-समझना तो असंभव है।

प्रस्तुत पुस्तक भी उसी शृंखला की एक कड़ी है, वैदिक सनातन धर्म सब दर्शनों का जनक है। विश्व के कोई भी ग्रंथ या संप्रदाय के ग्रंथ ले लें, वे वेद की ऋचाओं से प्रभावित मिलेंगे। मेरे एक मित्र हैं, उन्होंने गहन अध्ययन किया है। उनका तो मानना है कि कुरआन में 39 % आयतें वेद की ऋचाओं का प्रारूप है। यह पुस्तक भारतीय संस्कृति एवं दर्शन को अलग से कॉम्पेंडियम की तरह बनाने का प्रयत्न किया हूँ। दर्शन क्या है ? उसका शास्त्र क्या है ? भारतीय दर्शन का इतिहास क्या है ? एवं सभी प्रचलित दर्शनों को बताने का प्रयास है। ध्यातव्य रहे कि मैं माधवाचार्य तो नहीं कि 16 दर्शनों को विस्तृत रूप से अनुदित करूँ, परंतु सामान्य बुद्धि एवं विभिन्न पुस्तकों, शोध पत्रों, गूगल पर प्रेषित आलेखों को आधार मानकर इस पुस्तक की रचना की है। यह पुस्तक जहां मेरे व्यक्तव्य को दर्शाता है, वहीं भिन्न-भिन्न लेखकों की वाणी का समावेश भी है।

आशा है पुस्तक जिज्ञासुओं की ज्ञान पिपासा तृप्त करने में समर्थ होगी। संपूर्ण वैदिक धर्म पर मेरे विचार शनैः शनैः पुस्तक रूप में प्रकाशित होते रहेंगे। शृंखला की यूँ तो यह छठी कड़ी है, परंतु पुस्तक रूप में यह पहली है।

सुरेश चौधरी 'इंदु'

स्व-कथ्य

(द्वितीय संस्करण)

प्रथम संस्करण के स्व-कथ्य में मैंने लिखा था कि वैदिक सनातन दर्शन के बारे लिखना प्रारंभ किया तो ज्ञात नहीं था कब इसका समापन होगा, और यह बात सत्य है इस महान संस्कृति के दर्शनों का लेखन मुझ जैसे अज्ञानी पुरुष के हाथों संभव ही नहीं, अभी तक प्रयास यही रहा है कि अत्यंत सरल शब्दों में इस संस्कृति से लोगों को परिचित कराऊँ, वेदों का परिचय लिखा, भागवत का लिखा, उपनिषद का लिखा, मनुस्मृति का लिखा, अभी तो परिचय लेखन ही चल रहा है। कब विषय वस्तु में प्रवेश कर पाऊँगा, कुछ पता नहीं।

इस बीच इस पुस्तक का प्रथम संस्करण समाप्त हो गया। इसे पुनर्मुद्रण में दे रहा हूँ। आशा है इस पुस्तक से लोगों को सनातन के प्रमुख छह दर्शनों के बारे में आरंभिक जानकारी मिली होगी। कोई त्रुटि रही हो तो इंगित कीजिएगा। आपका अनुग्रही रहूँगा।

सुरेश चौधरी 'इंदु'

विक्रम संवत 2080, पुरषोत्तम मास अमावस्या